International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

नोवल कोरोना वायरस जनित कोविड–19 वैश्विक महामारी का प्रभाव– उधमसिंहनगर जनपद का विशेष अध्ययन

डा0 श्याम सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर भूगोल विभाग
हिन्दू कालेज, मुरादाबाद (उ0 प्र0)

सार

दिसम्बर 2018 से अप्रैल–मई 2020 के मध्य सम्पूर्ण विष्व नोवल कोरोना वायरस जनित कोविड–19 नामक संक्रामक और लाईलाज बीमारी से जूझा है। मई 2020 तक पूरे विष्व में इससे 40 लाख व्यक्ति संक्रमित हो चुके थे और 2.5 लाख से अधिक व्यक्ति अपनी जान गवाँ चुके थे। कोई ठोस व कारगर उपचार और वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण एहतियातन विष्व क अधिकांष देषों ने लोगों को इससे बचाने के लिए पूर्ण लॉकडाउन (सभी प्रकार की गतिविधियों की तालाबन्दी) सहित कर्फ्यू, ईमरजेन्सी, धारा 144, आपदा नियन्त्रण कानून आदि को अपनाया। इससे लोग अपने घरों में कैद होने को विवष हुए। इस अवधि में सर्वाधिक प्रभावित देषों– चीन, जापान, दक्षिणी कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी, स्पेन, ईटली, भारत, अनेक अरब देष आदि में आवागमन के साथ–साथ सभी प्रकार की आर्थिक व सामाजिक गतिविधियां ठप्प रहीं। भारत, उत्तराखण्ड राज्य और अध्ययन क्षेत्र उधमसिंहनगर जनपद भी इस वैष्विक महामारी से विभिन्न प्रकार से प्रभावित हुआ है।

महत्वपूर्ण शब्दावलियां

महामारी, कोरोना, संक्रामक, वैक्सीन, संगरोध, एकान्तवास, सैनीटाईजर, हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, रेमेडिसविर, आइसोलेषन,

शोध–पत्र

जनपद उधमसिंहनगर एक परिचय

उधमसिंहनगर जनपद उत्तराखण्ड राज्य के कुमाँऊ संभाग में दक्षिणी दिषा में उत्तर प्रदेष की सीमा पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल 2,542 वर्ग किमी0 तथा जनसंख्या 16.48 लाख (2011) है। जनसंख्या का घनत्व 649 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है। पूर्व से पष्चिम लम्बाई 160 किमी. तथा उत्तर से दक्षिण अधिकतम चौड़ाई 40 किमी0 है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

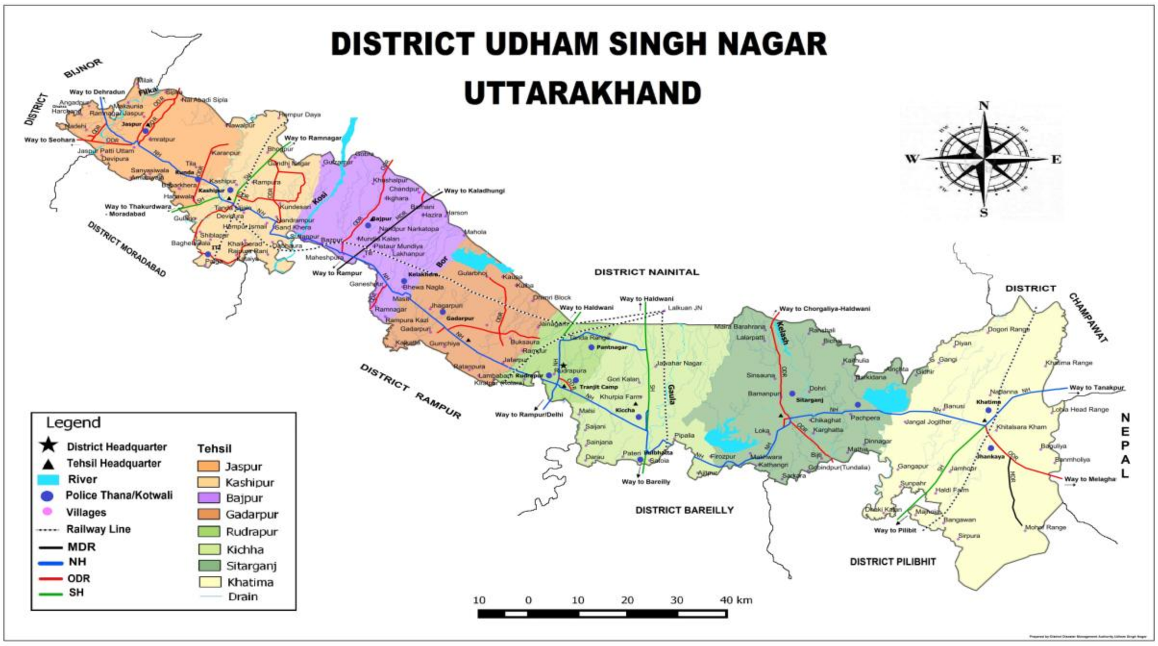

वायरस और नोवल कोरोना–

हिन्दी में विषाणु (विष+अणु) कहा जाता है जिससे स्पष्ट है कि ये विष या जहर के तुल्य होते हैं। जिनके प्रभाव से जीवित जीव–पौधे और जन्तु आदि को विभिन्न बीमारियां–रोग उत्पन्न करके उन्हें क्षयित करके नट कर देते ह। विषाणु अतिषक्तिषाली सूक्ष्मदर्षियों से देखे जाने योग्य अति सूक्ष्म जीव और मृत अवस्था के मध्य के जीव होते हैं। ये रोगजनक होते ह जो जीव–जन्तुओं और पौधों में तरह–तरह की बीमारियों–रोग आदि उत्पन्न करके उन्ह क्षयित कर देते हैं। ये सूक्ष्म विषाणु किसी भी जीव के अन्दर प्रवेष करके उनकी कोषिकाओं को अपने भोजन के रूप में उपभोग करते हैं और षीघ्र ही अपनी संख्या कई गुना बढ़ाकर उस जीव को रोगग्रस्त करके नष्ट या मृत कर देते हैं।

कोविड–19 कोरोना वायरस समूह के अति उन्नत व नोवल कोरोना वायरस द्वारा जनित संक्रामक बीमारी है जिसकी रोकथाम, उपचार आदि की कोई भी प्रमाणित दवा, वैक्सीन आदि की खोज अभी तक नहीं हो पायी है अतः इससे बचाव करना ही सर्वोत्तम उपाय है। सबसे पहले संक्रमित व्यक्ति में यह विषाणु अपनी संख्या बढ़ाकर उसके ष्वसन तन्त्र को निष्क्रिय करके उसकी रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट करके उसे मार देता है। इस बीमारी का संक्रमण अति सूक्ष्म वायरस ष्वास छोड़ने, खांसनें, छींकने, स्पर्ष करने, थूकने से वातावरण में या सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति, तत्व, पदार्थ, और अन्य मैटेरियल आदि में पहुँच जाते हैं और फिर सम्पर्क में आन वाले व्यक्ति में उसके नाखून, नाक, मुँह, रक्त ट्रान्सफ्यूजन आदि के माध्यम से प्रवेष करके वहाँ पर अपनी संख्या बढ़ाकर उस संक्रमित व्यक्ति को भी अपनी चपेट में ले लेता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कोविड–19 और वैश्विक महामारी का प्रघटन–

वर्ष 2020 के प्रारम्भ में विष्व का एक नयी रहस्यमयी बीमारी से दो चार होना पड़ा जिसकी षुरूआत दिसम्बर 2019 माह में चीन के हुबेई प्रान्त के प्रसिद्ध औद्योगिक नगर वुहान से हुई। विष्वभर में कोविड–19 के प्रसार, रोकथाम, बचाव आदि की निगरानी विष्व स्वास्थ्य संगठन कर रहा है। इस हेतु विष्व स्वास्थ्य संगठन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूजर्सी राज्य के मैरीलैण्ड नामक षहर स्थित जॉन हॉपकिन्स यूनीवर्सिटी को विष्वभर से सूचनाएं एकत्रित करने का रिर्सोस सेन्टर बनाया है। संगठन द्वारा इस रोग को कोविड–19 (Corona Virus Disease- 2019 Covid-19) और प्रजनक कारक को नोवल कोराना वायरस नाम दिया गया। सबसे पहले संक्रमित व्यक्ति में यह विषाणु अपनी संख्या बढ़ाकर उसके ष्वसन तन्त्र को निष्क्रिय करके उसकी रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट देता है। इस बीमारी का जनक अति सूक्ष्म वायरस संक्रमित व्यक्ति या वस्तु द्वारा ष्वास छोड़ने, खांसनें, छींकने, स्पर्श करने, थूकने से वातावरण में या सम्पक में आने वाले व्यक्ति, तत्व, पदार्थ, और अन्य मैटेरियल आदि में पहुँच जाते हैं और फिर सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति में उसके नाखून, नाक, मुँह, रक्त ट्रान्सफ्यूजन आदि के माध्यम से प्रवेष करके वहाँ पर अपनी संख्या बढ़ाकर उस संक्रमित व्यक्ति को भी अपनी चपेट में ले लेता है।

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य– चीन से बाहर इस वायरस जनित कोविड–19 बीमारी का संक्रमण स्पेन, इटली, फ्रान्स, जर्मनी, नीदरलैण्ड, यूनाईटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, ईरान, टर्की आदि में व्यापक रूप से फैल गया। सारणी सं. 01 के अनुसार आज 11 मई 2020 तक विष्वभर में 36 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके है। इनमें से 257000 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

सारणी सं. 1: 6 मई 2020 की वैश्विक स्थिति

	Locations[b]	Cases[a]	Deaths[c]	Recov.[d]
	227	**3,663,911**	**257,301**	**1,199,389**
1	United States[e]	1,234,351	72,023	164,315
2	Spain	220,325	25,857	126,002
3	Italy	213,013	29,315	85,231
4	United Kingdom[f]	194,990	29,427	No data
5	Germany[g]	167,007	6,993	129,853
6	Russia[h]	165,929	1,537	21,327
7	France[i]	132,967	25,531	52,736
8	Turkey	129,491	3,520	73,285
9	Brazil	116,299	7,966	48,221
10	Iran	101,650	6,418	81,587

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

	Locations[b]	Cases[a]	Deaths[c]	Recov.[d]
	227	3,663,911	257,301	1,199,389
11	China[j]	82,883	4,633	77,911
12	Canada	62,046	4,043	26,993
13	Peru	51,189	1,444	14,427
14	Belgium[k]	50,781	8,339	12,731
15	India	49,391	1,694	14,183
16	Netherlands[l]	41,087	5,168	No data
17	Ecuador	31,881	1,569	3,433
18	Saudi Arabia	30,251	200	5,431
19	Switzerland	30,009	1,483	25,400
20	Mexico	26,025	2,507	16,810

Source: johnhopkinsuni.org, who.org

सारणी सं. 2: 6 मई 2020 की वैश्विक स्थिति

Coronavirus (SARS-CoV-2) cases in second half of April 2020

	Date	**First reported case**	**Apr 16**	**Apr 30**
	World		1,991,531[182]	3,090,445
	Days to double		13	20
	Territories		213	213
1	USA	January 23, 2020	604,070	1,003,974
2	Spain	February 1, 2020	177,633	212,917
3	Italy	January 31, 2020	165,155	203,591
4	UK	February 1, 2020	98,480	165,225
5	Germany	January 28, 2020	130,450	159,119
6	France	January 26, 2020	105,155	127,066
7	Turkey	March 12, 2020	69,392	117,589
8	Russia	February 1, 2020	27,938	106,498
9	Iran	February 20, 2020	76,389	93,657
10	China[15]	January 21, 2020	83,797	84,373
11	Brazil	February 27, 2020	25,262	71,886
12	Canada	January 27, 2020	27,540	50,363
13	Belgium	February 5, 2020	33,573	47,859
14	Netherlands	February 28, 2020	28,153	38,802
15	India	January 30, 2020	12,380	33,050

Source: johnhopkinsuni.org, who.org

सारणी सं. 3: 6 मई 2020 की वैश्विक स्थिति

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Coronavirus (SARS-CoV-2) cases in May 2020

	Date	**First reported case**	**May 1**	**May 2**	**May 3**	**May 4**	**May 5**
	World		3,175,207	3,267,184	3,349,786	3,435,894	3,517,345
	Days to double		21	21	22	22	23
	Countries and territories		215	215	215	215	215
	References						
1	USA	January 23, 2020	1,035,353	1,067,127	1,093,880	1,125,719	1,154,985
2	Spain	February 1, 2020	213,435	215,216	216,582	217,466	218,011
3	Italy	January 31, 2020	205,463	207,428	209,328	210,717	211,938
4	UK	February 1, 2020	171,257	177,458	182,264	186,603	190,588
5	Germany	January 28, 2020	159,119	161,703	162,496	163,175	163,860
6	Russia	February 1, 2020	114,431	124,054	134,687	145,268	155,370
7	France	January 26, 2020	128,121	128,722	129,458	129,708	130,242
8	Turkey	March 12, 2020	120,204	122,392	124,375	126,045	127,659
9	Brazil	February 27, 2020	78,162	85,380	91,589	96,559	101,147
10	Iran	February 6, 2020	94,640	95,646	96,448	97,424	98,647
11	China	January 21, 2020	84,385	84,388	84,393	84,400	84,404
12	Canada	January 27, 2020	52,056	53,657	55,572	59,365	59,844
13	Belgium	February 5, 2020	48,519	49,032	49,517	49,906	50,267
14	India	January 30, 2020	35,043	37,336	39,980	42,533	46,433
15	Peru	March 7, 2020	33,931	36,976	40,459	42,534	45,928
16	Netherlands	February 28, 2020	39,316	39,791	40,236	40,571	40,770
17	Ecuador	March 1, 2020	24,934	26,336	27,464	29,538	31,881
18	Switzerland	February 26, 2020	29,503	29,622	29,734	29,822	29,898
19	Saudi Arabia	March 3, 2020	22,753	24,097	25,459	27,011	28,656
20	Portugal	March 3, 2020	25,056	25,351	25,190	25,282	25,524
21	Mexico	February 29, 2020	17,799	19,224	20,739	22,088	23,471
22	Sweden	February 1, 2020	21,092	21,520	22,082	22,317	22,721
23	Ireland	March 1, 2020	20,612	20,833	21,176	21,506	21,722
24	Pakistan	February 27, 2020	16,817	18,114	19,103	20,084	21,501

Source: johnhopkinsuni.org, who.org

कोविड–19 और उत्तराखण्ड राज्य

विष्व स्वास्थ्य संगठन से विष्वभर के देषों को इस संक्रमण के प्रसार के अनुसार अपने दिषा निर्देषों में तीन वर्गों– 1. ग्रीन (सुरक्षित), 2. आरेन्ज और (संभावित क्षेत्र) रेड जोन (खतरनाक ढंग से प्रभावित क्षेत्र) में विभाजित करके कोविड–19 के प्रसार को रोकने और प्रभावितों को उपचार व अन्य सुविधाऐं उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक क्षेत्र द्वारा अपनायी जाने वाली नियन्त्रण व उपचार गतिविधियों की

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

दिषा–निर्देष जारी किए है जिनका पालन करना सम्बन्धित देष व क्षेत्र के प्रषासन का उत्तरदायित्व है। इन दिषानिर्देषों के अनुक्रमानुसार उत्तराखण्ड के विभिन्न जिलों को तीन वर्गों में विभक्त किया गया है जो कि मानचित्र संख्या में दर्षाए गए हैं।

1. **ग्रीन जोन**– इसे सुरक्षित जोन कहा गया है। इसका अभिप्राय यह है कि सम्बन्धित क्षेत्र में विगत 14 दिनों के मध्य कोविड–19 का कोई भी संक्रमित व्यक्ति नहीं पाया गया है। उच्च हिमालयी क्षेत्र के जनपद– उत्तरकाषी, रूद्रप्रयाग, टिहरी, चमोली, पिथौरागढ़, बागेष्वर और चम्पावत जनपद इस वर्ग में थे। इन जनपदों में अभी तक कोविड–19 का कोई भी संक्रामक व्यक्ति नहीं मिला था।

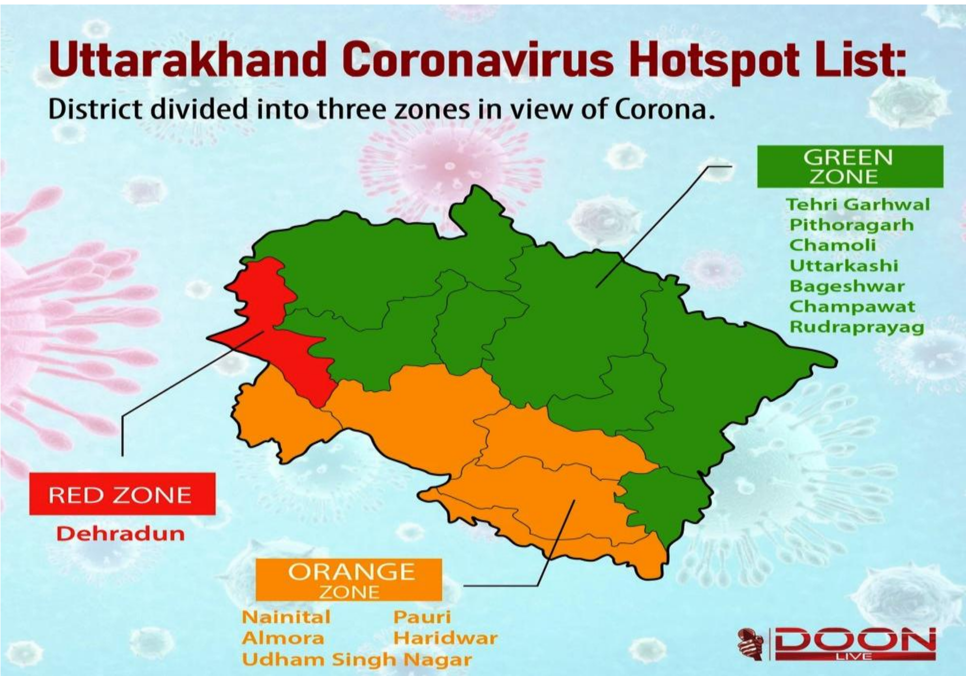

2. **ऑरेन्ज जोन**– इसे कोविड–19 के प्रसार का संभावित क्षेत्र माना जाता है। इसमें संक्रमित व्यक्तियों की दैनिक संख्या 1 से 5 के मध्य रहती है। पौड़ी, अल्मोड़ा और उधमसिंहनगर जनपद इस वर्ग में हैं।
3. **रेड जोन**– प्रति दिन 5 से अधिक संक्रमित व्यक्ति पाए जाने वाले क्षेत्र का इस श्रेणी में रखा जाता है। इस क्षेत्र में इस संक्रमण के प्रसार की संभावना अधिक रहती है। देहरादून, नैनीताल और हरिद्वार जनपद इस वर्ग में हैं।

विष्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार के निर्देषों के अनुपालन में वर्तमान समय में कोविड–19 की रोकथ, बचाव और उपचार के दृष्टिगत उत्तराखण्ड राज्य में भी राष्ट्रीय आपदा नियन्त्रण अधिनियम– 2005, महामारी नियन्त्रण अधिनियम– 1897, सामान्य नागरिक प्रषासन की धारा 144 और उत्तराखण्ड कोविड–19 रोकथाम विषेष अध्यादेष 2020 आदि प्रवर्तित रहे हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या के अनुसार उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में कुल 61 कोविड–19 के संक्रमित मिले हैं। इनमें से 39 उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। षेष का इलाज चल रहा है। इनमें से 1 की मौत हो चुकी है। यद्यपि मरने वाली महिला (निवासी लालकुआँ– नैनीताल जनपद) 2 मार्च से ही बीमार थी तथा आयु अधिक होने और अन्य रोगों से ग्रसित थी अतः इस मृत्यु को कारण सिर्फ कोविड–19 का संक्रमण ही नहीं था।

सारणी सं. 4: उत्तराखण्ड में कोविड–19 से संक्रमित व्यक्तियों की जनपदवार सूची (5 मई 2020 के अनुसार)

क्रम	जनपद का नाम	कुल जाँचे गए नमूने	निगेटिव	पॉजिटिव	उपचार बाद स्वस्थ हो चुक व्यक्ति	मृत्यु
1	अल्मोड़ा	109	103	1	1	0
2	बगेष्वर	25	25	0	0	0
3	चमोली	26	26	0	0	0
4	चम्पावत	58	53	0	0	0
5	देहरादून	3338	3152	34	20	0
6	हरिद्वार	1443	1333	7	5	0
7	नैनीताल	1079	850	10	8	1
8	पौड़ी	98	94	1	1	0
9	पिथैरागढ़	18	18	0	0	0
10	रूद्रप्रयाग	31	31	0	0	0
11	टिहरी	41	41	0	0	0
12	उधमसिंहनगर	1462	1357	8	4	0
13	उत्तरकाषी	177	174	0	0	0
योग		7905	7257	61	39	01

स्रोतः स्वास्थ्य, महिला एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड सरकार।

कोविड– 19 के संक्रमण के लक्षण और उपचार या बचाव–

वैष्विक स्तर पर स्वास्थ्य के क्षेत्र की सबसे बड़ी संस्था– विष्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोविड–19 और नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण तथ्य निम्नवत रखें जा सके हैं–

1. कोविड–19 संक्रामक बीमारी के प्रसार का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि पहचान और उपचार के वैज्ञानिक तरीके उपलब्ध न होने के कारण इसका पहला संक्रमित व्यक्ति या वाहक सामान्यजन के लिए अदृष्य होता है। जब तक उसमें इसके लक्षण विकसित होते हैं और उसे किसी सक्षम अस्पताल तक भर्ती किया जाता है तक तक उसके षरीर में प्रवेष कर चुके वायरस उस व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क में आने वाले दर्जनों अन्य व्यक्तियों के षरीर में प्रवेष कर चुका होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2. मास्क का पहनना, संगरोध, बार बार साबुन से हाथ धोना, कम से कम 14 दिन तक संगरोध अपनाना, अन्य लोगों से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाना, रोध प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, आस पास रोगाणुनाषक रसायनों का छिड़काव कराना, सैनीटाईजर से घर की सभो वस्तुओं की सफाइ करना आदि ही इससे बचाव के उपाय हैं।
3. भारत में इसका प्रथम रोगी 30 जनवरी 2020 को पहचाना गया जो कि चीन के वुहान षहर से लौटा केरल निवासी एक छात्र था। आज षोधपत्र लिखने की तिथि 11 मई 2020 तक भारत में इसके 62000 से अधिक संक्रमित व्यक्ति विभिन्न राज्यों–नगरों में पहचाने जा चुके हैं और 2200 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है। उपचार व चिकित्सोपरान्त 20000 से अधिक व्यक्ति ठीक भी हो चुके हैं। इसके प्रभावितों में बच्चे, वृद्ध, युवा, सामान्य नागरिक और इन रोगियों की देखभाल, षासन–व्यवस्था आदि में लगे स्वयंसेवी, डाक्टर, पैरामेडिकल स्टॉफ, पुलिसकर्मी, अर्द्धसैन्यबल, प्रषासनिक अधिकारी–कर्मचारी आदि षामिल हैं।

भारत में प्रभाव–

इस क्रम में भारत में सबसे पहले मार्च 2020 के द्वितीय सप्ताह में कक्षा 1 से 8 वीं तक के स्कूल–कालेजों की, 15 मार्च से विष्वविद्यालयों के षिक्षण कार्य और परीक्षाओं को स्थगित किया गया। भारत में दिन प्रतिदिन बढ़ते संक्रमणों और उपचार तथा चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव के कारण भारत के प्रधानमंत्री द्वारा दिनाँक 22 मार्च 2020 दिन रविार को एक दिन के स्वैच्छिक लॉकडाउन जिस ***जनता कर्फ्यू*** नाम दिया गया का आह्वान किया गया। विष्व के देषों में कोरोना वायरस के संक्रमण की भयावहता को देखते हुए भारत के हर नागरिक ने इसका पूरी निष्ठा के साथ पालन किया तथा रविवार का दिन होने के कारण 22 मार्च 2020 का जनता कर्फ्यू 98 प्रतिषत सफल रहा जिससे प्रेरित होकर भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों ने जनता कर्फ्यू को आगामी तीन–चार दिनों तक बढ़ा दिया।

प्रधानमंत्री द्वारा पुनः 24 मार्च की षाम को 21 दिन का राष्ट्रव्यापी पूर्ण लॉकडाउन लागू करने की घोषणा की गयी। इसके प्रभाव से बाद में एक बार 24 दिन और पुनः तीसरी बार 15 दिन का देष व्यापी लॉकडाउन लागू किया गया। 24 से 30 मार्च तक लोगों को आने–जाने में ज्यादा रोक नहीं लगायी गयी जिसके कारण देषभर में कार्यस्थल बन्द होने के कारण निजी क्षेत्र व अन्य असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की बाढ़ अपने–अपने घरों को जाने के लिए सड़क पर निकल पड़ी जिसने भारत की अव्यवस्था की पोल खोल दी।

उत्तराखण्ड–

उत्तराखण्ड भारत का एक छोटा व लगभग 1 करोड़ की जनसंख्या वाला राज्य है। भौगोलिक रूप से यह एक पर्वतीय राज्य है जहाँ उच्च हिमालयी क्षेत्र होने के कारण वर्ष की प्रथम तिमाही में जनवरी–मार्च तक बहुत ठण्ड पड़ती है जो कि नोवल कोरोना वायरस के प्रसार के बहुत अनुकूल होती

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

है जैसा कि विष्व भर के चिकित्सक–वैज्ञानिक बताते हैं। किन्तु फिर भी संक्रण के माध्यम से फैलने वाले कोरोना वायरस का जनन इस क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से नहीं हुआ। अन्य स्थानों की तरह उत्तराखण्ड में भी इसका आगमन निर्विवाद रूप से बाहर से संक्रमित क्षेत्र से आने वाले आगन्तुकों के माध्य से ही हुआ जो कि सबसे पहले देहरादून स्थित भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान में प्रषिक्षणरत भारतीय वनसेवा के प्रषिक्षुओं में पाया गया। इसके बाद सारणी संख्या 4 के अनुसार राज्य के विभिन्न स्थानों, जिलों और नगरों में इसके संक्रमित मिले जिनकी संख्या 7 मई 2020 तक 61 है। साथ ही सारणी सं. 5 में उत्तराखण्ड राज्य के कोविड–19 संक्रमित क्षेत्रों (कंटेनमेंट जोन) को और सारणी सं. 6 में नियन्त्रण केन्द्रों का विवरण दिया गया गया है।

Table No- 5: District-wise Hotspots/ Containment Zones

S.No	**District**	**Number of Containment Zone**	**Name of Containment Area**
1	Dehradun	**7**	1. Bhagat SinghColony 2. Keshavpuri Basti,Doiwala 3. Azad Nagar Colony ISBT Dehradun 4. Bees Bigha Colony, Nagar Nigam Rishikesh 5. Shiva Enclave Ward-24, Rishikesh 6. Chaman Vihar, Lane-11, Dehradun 7. Ward No-25, Avas Vikas, VB Marg, Rishikesh
2	Haridwar	**2**	1. Paniyala,Tehsil – Roorkee 2. Nagla imirti, Tehsil- Roorkee (As per DMs order: Gandikhata, Jwalapur, Manakmajra and Badrapur is declared out of containment zone)
3	Nainital	**1**	1. Banphulpura, Haldwani
4	US Nagar	**1**	1. Ward Number 13, Rajiv Nagar, Bazpur

Table No- 6: Details of District Control Rooms

Districts	**District Control Room Number**
Almora	**05962-237875,05962-237874,**
Bageshwar	**05963-220197,**
Chamoli	**0172-252187, 01372-251437**
Champawat	**05965-230312 05965-230943, 05965-230819**
Dehradun	**0135-2724506,**
Haridwar	**01334-239920, 01334-223999**
Paurigarhwal	**01368-222213, 01368-221840**
Pithoragarh	**05964-225142, 05964-226326**
Nainital	**05946-281234,**
Tehri Garhwal	**01376-232093, 01376-232831**
Rudraprayag	**01364-233946, 01364-233727**
U.S. Nagar	**05944-246590, 05944-250250**
Uttarkashi	**01374-222641, 01374-222722, 7310913129**
COVID-19 Control Room Details **e-mail: covid19statewarroomuk@gmail.com** **email Id: idsputtarakhand@gmail.com**	

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

विष्वव्यापी महामारी को रोकने और उपचार की कोई चिकित्सीय रूप से कोई भी दवा अभी तक विष्व के किसी भी देष, संस्था या दवा कम्पनी के पास नहीं है। विष्व के विभिन्न देषों में अलग–अलग तरह से इनके संक्रमितों का इलाज किया जा रहा है। विष्व की सभी संस्थाएं, देष और चिकित्सीय संगठन, अस्पताल, षोध संस्थान और डॉक्टर आदि सिर्फ इसके प्रसार को रोकने, सीमित करने के उपाय बताकर लोगों को स्वेच्छा से उनका पालन करने या कानूनी रूप से पालन कराने का प्रयास करने की सलाह, अध्यादेष आदि जारी कर रहे हैं।

भीड़ को नियन्त्रित करने के लिए इसके प्रथम प्रभावित देष चीन के साथ ही अन्य देष और भारत साधारण लॉकडाउन (सभी प्रकार के कार्यकलापों का स्थगन) करके लोगों को एक दूसरे के सम्पर्क में आने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। इसके सकारात्मक परिणाम विष्वभर ने देखे हैं और विषेषज्ञों का मानना है कि लगभग 80–90 दिनों का सफल लॉकडाउन ही इस संक्रमण से निजात पाने का एकमात्र विकल्प है। अन्यथा यह संक्रमण मानव समाज और उसकी अर्थव्यवस्था, कला–संस्कृति और मानव की चहुँमुखी प्रगति को नुकसान करने वाले मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी बन जाएगी।

जनपद उधमसिंहनगर कोविड–19 जनित लॉकडाउन की हानियां–परेशानियां–

यह जनपद कुमाँऊ संभाग का प्रवेष द्वार होने के साथ साथ कुमाँऊ और गढ़वाल मण्डलों को जोड़ने वाला सेतु है। यह जनपद धरातलीय रूप से तराई क्षेत्र के अन्तर्गत आता है जो कि महान हिमालय पर्चतीय प्रदेष और गंगा नदीकृत विषाल समतल मैदान के मध्य संकीर्ण संक्रणीय पेटी के रूप में स्थित है। समतल धरातल होने के कारण उधमसिंहनगर जनपद कृषि, उद्योग, व्यापार, सामान्य परिवहन और अन्य सामाजिक–आर्थिक–राजनीतिक–सॉंस्कृतिक–षैक्षिक गतिविधियों का केन्द्र और पूरे कुमाँऊ संभाग के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसे मिनी पंजाब, मिनी भारत और कुमाऊँ संभाग की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की संज्ञाओं से भी अभिहीत किया जाता है। वर्तमान समय में विष्वव्यापी कोविड–19 नामक वायरस जनित संक्रामक बीमारी से इस जनपद और जनपदवासियों को दो–चार होना पड़ा। इसे नियन्त्रित करने और बचाव करने के लिए जिला प्रषासन को भारी मषक्कत करनी पड़ी है। उत्तराखण्ड राज्य का सर्वाधिक औद्योगीकृत और कृषि सहित अन्य आर्थिक गतिविधियों का पुंज होने के कारण यहाँ पर उत्तर प्रदेष सहित देष के अन्य राज्यों के कार्मिक भी भारी तादात में निवासरत थे। लॉकडाउन में उद्योगों, दुकानों, परिवहन आदि के बन्द होने से इन क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों और उनके परिवारों को अपने निवास स्थल जाने के लिए पूरे उत्तरखण्ड भर से न केवल जाना पड़ा बल्कि पूरे उत्तराखण्ड को वापस आने वाले प्रवासी भी पैदल व अन्य वाहनों से यहीं से होकर गुजरे। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों के बन्द हो जाने से उधमसिंहनगर जनपद की लगभग 18 लाख से अधिक स्थानीय जनसंख्या के सामने भी राजमर्रा की आवष्यकताओं की आपूर्ति

सुनिष्चित करना कठिन हो गया विषेषतया– गरीब वर्ग को जिनको संख्या जनपद की कुल जनसंख्या का लगभग 50 से 60 प्रतिषत के बराबर है।

उधमसिंहनगर जनपद में भूमिहीन आप्रवासियों के सामने सबसे ज्यादा परेषानी हुई जिनका क्रमबद्ध विवरण निम्न प्रकार रखा जा सकता है–

1. लॉकडाउन के कारण लाखों कर्मकार, निजी व्यवसायी, छोटे उद्योग चलाने वाले घरों में खाली बैठे रहे जिससे उनकी आमदनी षून्य हो गई।
2. जनपद के लाखों प्रवासी जो अन्यत्र रोजगार कर रहे थे या षिक्षा व अन्य कार्यों से बाहर थे या तो वहां फंसे पड़े रहे या फिर जनपद को वापस लौट आए और वे श्रमिक और उनके परिवार घोर आर्थिक परेषानी में रहे।
3. **क्वारेन्टाईन सेन्टर**– पूरे उत्तराखण्ड राज्य में 55ए000 से अधिक लोगों–प्रवासियों को इनमें रखा गया। उनकी रोजमर्रा की जरूरी आवष्यकताओं की व्यवस्था करना षासन–प्रषासन को भारी पड़ा।
4. जनपद के हर षहर में आने–जाने व गुजरने वाले प्रवासियों के लिए सुविधा केन्द्र बनाए गए जिनकी सुव्यवस्था बनाना कठिन होता गया था।
5. प्रषासनिक अधिकारियों–कर्मचारियों पर कार्य का अत्यधिक बोझ है तथा उनमें भी समय–समय पर संक्रमण फैलता जा रहा है।
6. षान्ति, सुरक्षा व व्यवस्था बनाने में पुलिस व अन्य सुरक्षा बलों, होमगार्ड्स, वॉलण्टियर्स पर काम का अत्यधिक बोझ है।
7. बड़े पैमाने पर चिकित्सा व पैरामेडिकल स्टॉफ का नियोजित किया गया।
8. आषा कार्यकत्री, आँगनबाड़ी केन्द्रों, राषन कोटा वितरकों पर भी काम का अत्यधिक दबाव है जबकि उन्हें समुचित पारिश्रमिक भी नहीं मिलता है।
9. बाहर से आने वाले पासधारक लोगों का जनपद की सीमा पर ही स्वास्थ्य परीक्षण करके 14 दिन की क्वारंटीन अवधि नियमानुसार बिताने ही हिदातों के साथ जनपद में प्रवेष दिया जाता रहा।
10. राधास्वामी सत्संग व्यास, लालपुर (रूद्रपुर) में जनपद स्तरीय विषाल क्वारंटीन सेन्टर स्थापित किया गया जहाँ पर संदिग्ध व संभावित रोगियों को 14 दिन की जरूरी क्वारंटीन अवधि बिताने की व्यवस्था की गयी।
11. जनप्रतिनिधियों– मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान आदि पर प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से नागरिकों को सान्तवना देने, जरूरतमंदों की मदद

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

करने, बाहर फंसे लोगों को उनके घर तक लाने और जनपद में फंसे लोगों को उनके स्थानों तक पहुँचाने की व्यवस्था कराने का भारी दबाव रहा।

12. गैर–सरकारी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों पर काय व खर्च का अत्यधिक दबाव पड़ा है।
13. प्रषासन और आम जनता को गरीबों और जरूरतमन्दों को सरकारी राहत सामग्री वितरण, भोजन आदि उपलब्ध कराने की चुनौती, कठिनाईया, अव्यवस्थाआ व मुकदमेबाजी से दो–चार होना पडा।
14. कोविड–19 के संक्रमितों, उनके परिजनों की देखभाल की जिम्मेदारी उठाने में षासन–प्रषासन, अधिकारियों–कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों को काफी मषक्कत करनी पड़ी।
15. जनता–पुलिस–प्रषासन का तनाव, संघर्ष और मुकदमेबाजी, गिरफ्तारी, वाहनों का चालान और अर्थदण्ड लगाना इत्यादि समाज में अनेक बार तनाव और वैमनस्य क कारण बने।
16. कृषकों और कृषि मजदूरों को भारी परेषानी का सामना करना पड़ा तथा फूल, फल, साग–सब्जी आदि उगाने वाले किसानों को काफी नुकसान हुआ।

सकारात्मक पक्ष

नोवल कोरोना वायरस जनित कोविड–19 नामक संक्रामक वैष्विक महामारी द्वारा विष्व भर में मचाई गयी तवाही के के बीच में किसी भी प्रकार के लाभ या फायदे ढूंढना इसके लाखों पीड़ितों–दुष्प्रभावितों के दुखों को बढ़ाने वाला कदम होगा किन्तु फिर भी विभिन्न दृष्टिकोणों से इस पर सम्यक् विचार करना भी प्राकृतिक नियमों और प्रक्रमों के अनुरूप ही होगा। मानव और अन्य जीवों, प्राकृतिक प्रक्रमों के सन्दर्भ में विनाष और विकास एक दूसरे के पूरक व समागी/ अन्योन्याश्रित होते हैं। कहावत भी है कि प्रत्येक संकट हमें कुछ बेहतर व नयी संभावनाएं व अवसर देते हैं जिनकी पहचान करके हम मानव सहित सभी जीवों की बेहतरी के कुछ नए कार्य कर सकते ह। "Every Crisis provides a new possibility or opportunity"

1. **पर्यावरणीय लाभ**– लॉकडाउन के कारण सभी तरह की आर्थिक–सामाजिक–सॉंस्कृतिक गतिविधियां लगभग पूर्णतया बन्द रहीं। वाहनों– स्कूटर, मोटरसाईकिल, तिपहिया वाहनों, कार, व्यावसायिक वाहनों, रेल, हवाई जहाज तथा अन्य वाहनों के परिचालन पर पड़ा है। सड़क, रेल पटरी और आसमान से इन वाहनों के गायब हो जाने से इसका सीधा लाभकारी प्रभाव विष्वभर के वायुमण्डल को मिला है। उधमसिंहनगर जनपद और सम्पूर्ण उत्तराखण्ड के हिमालयी पर्वत क्षेत्रों का संवेदनषील वातावरण– वायु, नदियां, जलाषय, काफी हद तक भूमिगत जल, वनस्पति और सूक्ष्म जीव–पषु पक्षी वन्य जीव आदि सुकून व बेहतर माहौल अनुभव किया।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2. सुबह से षाम तक भाग–दौड़ में लगा मनुष्य भी सुकून से घरों में परिवार के साथ समय बिताता रहा है। अपने खर्चों व अनावष्यक षौक आदि में कमी कर रहा है या पूरी तरह रोक लगा दी। अंधविष्वास से वैज्ञानिकता की ओर बढा है।
3. **सामाजिक लाभ**– लॉकडाउन में अधिकतर लोग संकट की भयावहता को देखते हुए उनमें आपसी प्रेम, सौहार्द्र, मिलकर काम करना, एक–दूसरे का ख्याल रखना, रिष्तेदारों–मित्रों का कुषलक्षेम पूछना आदि मानवोचित गुणों का विकास व सुवर्द्धन हुआ है। सिविल–आपराधिक और पारिवारिक विवादों के कोर्ट–कचहरी भी बन्द रहे, इससे उनकी आर्थिक बर्बादी भी रूकी।
4. **नैतिक–दार्शनिक**– कोरोना काल में मानव की रोजाना की बेतरतीब भागदौड़ में कमी आयी। आर्थिक कठिनाई के बावजूद लोगों ने सुकून महसूस किया है। लोगों में नैतिकता, भईचारे, सद्भाव, नागरिक उत्तरदायित्व और सबसे महत्वपूर्ण सजगता और सतर्कता जैसे षब्दों का महत्व समझा व उन्हें आत्मसात किया।
5. **धार्मिक व तीर्थस्थलों** के कपाट व द्वार बन्द होने के बाद भी सभी नगारिक अपनो–अपनी आस्थाओं और मान्यताओं के अनुरूप बाह्य आडम्बरों, कर्मकाण्डों, कुरीतियों, अन्धविष्वासों को त्यागकर घर में ही जनमानस की भलाई की प्रार्थना करते रहे।
6. **उपभोक्तावाद व फिजूलखर्ची में कमी को** भी लॉकडाउन के लाभों में गिना जा सकता है।
7. **सामान्य जनस्वास्थ्य में सुधार**– कोविड–19 के संक्रमित व पीड़ित व्यक्तियों को छोड़कर सामान्यजन के सामान्य स्वास्थ्य में क्रान्तिकारी सुधार महसूस किया गया। मरीजों से भरपूर रहने वाले निजी व सरकारी अस्पताल, पैथोलोजी लैब, निजी क्लीनिक, मेडिकल स्टोर, झाड़फूंक वाले ओझा, तान्त्रिक, भविष्य व कुण्डली बताने वाले ज्योतिषियों आदि सभी के प्रतिष्ठान लम्बे समय तक बंद रहे और सामान्य मृत्युदर भी कम रही।
8. **सड़क व अन्य दुर्घटनाओं में कमी**– सड़क और रेल की पटरियों तथा वायुमण्डल से हवाई जहाजों के गायब हो जाने से इनसे होने वाली दुर्घटनाएं और उनसे होन वाली जान–माल की हानि भी स्वाभतया ही रूक गयी।
9. **प्रदूषण नियन्त्रण**– कोरोना काल में चूँकि वातावरण प्रदूषण के सभी प्रकार के स्रोत व कारण ही रूक गये थे तो स्वभाविक रूप से सभी प्रकार के प्रदूषण– जल, वायु, मृदा, ठोस, गैसीय, भौतिक, रासायनिक प्रदूषण आदि भी स्वतः ही कम हो गये। विभिन्न सामाजिक माध्यमों से जागरूक लोगों ने जालंधर, सहारनपुर, रूड़की, मुरादाबाद, रामनगर, हल्द्वानी, नैनीताल, खटीमा आदि से साफ दिखते बर्फीले महान हिमालयों, नदियों, हरे–भरे पर्वतों के चित्र अपनी फेसबुक और व्हट्सएप में डाले थे जो वातावरण की षुद्धता और प्रदूषण नियन्त्रण के सजीव उदाहरण

हैं। पुनः इस प्रकार से वातावरण के षुद्ध होने के लाभ मानव सहित सभी जीव–जन्तुओं, वनस्पति और पारिस्थितिकीय तत्वों, प्रक्रमों और चक्रों को भी प्राप्त होंगे।

सन्दर्भ सूची

1. विभिन्न दैनिक समाचार पत्र
2. दूरदर्षन और अन्य श्रव्य–दृष्य समाचार चैनल,
3. सोसल मीडिया–फेसबुक, व्हट्सएप आदि।
4. प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण, क्षेत्र भ्रमण।
5. विष्व स्वास्थ्य संगठन के बुलेटिन।
6. संयुक्त राज्य अमेरिका की दैनिक प्रेस कान्फ्रेन्स।
7. यूनाईटेड किंगडम व अन्य देषों की दैनिक प्रेस कान्फ्रेन्स।
8. भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की दैनिक प्रेस कान्फ्रेन्स।
9. भारत सरकार के स्वास्थ्य महिला और परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देष व एडवायजरी।
10. उत्तराखण्ड राज्य के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के दिषा निर्देष, दैनिक बुलेटिन आदि।
11. उधमसिंहनगर जनपद प्रषासन के विभिन्न आदेष, एडवायजरी और बुलेटिन।

Websites-

www.mohfw.in

www.johnhopkinsuni.org

www.who.org

www.uk.gov.in

www.nic.usnagar.in

www.wikipediathefreeencyclopedia